नाटक के जरिये जीवन का संदेश

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

यूपीईएस में स्कूल आफ हेल्थ साइंसेज एंड टैक्नोलाजी ने उत्साह के साथ विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया। इस मौके पर समाज में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। साथ क्विज समेत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

यूपीईएस परिसर में आयोजित कार्यक्रम में फार्मास्युटिकल क्षेत्र के महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही अंगदान के लिए लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रमों की कड़ी में भारत में नेक्स्ट-जेन हैल्थकेयर सिस्टम पर पैनल डिस्कशन किया गया जिसमें छात्रों ने तर्कों के साथ देश में विकसित स्वास्थ्य सेवा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। वहीं छात्रों ने एक शानदार नाटक का मंचन कर जीवन बचाने और अंगदान संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश दिया। नाटक में अंग दान के महत्व को

कार्यक्रम में शिरकत करते विवि के अधिकारी व अतिथि।

प्रभावी ढंग से बताया गया। इसके अलावा छात्रों ने पर्यावरण अनुकूल खाना पकाने के तरीकों को बढ़ावा देने के लिए 'बिना आग के खाना पकाने' की थीम स्टॉल भी लागया।

मुख्य अतिथि हिमालय वेलनेस कंपनी के अध्यक्ष डा. एस. फारूक ने कहा कि भारत फार्मास्युटिकल उद्योग में प्रमुख स्थान रखता है। फार्मास्युटिकल के क्षेत्र में शिखर पर पहुंचने के लिए इनोवेशन को बढ़ावा देना होगा। हेल्थ साइंसेज एंड टैक्नोलॉजी के डीन डा. पद्मावती वेंकटसुब्रमण्यन ने समाज में फार्मासिस्टों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान और उसके बाद फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका खुलकर सामने आई है। उन्होंने कहा कि छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों के बीच आर्गन व स्टेम सेल दान फार्म वितरित करने व जागरूकता लाने के लिए ओजोन (यूपीईएस की स्टूडेंट सोसाइटी) और धात्री(एनजीओ) द्वारा बूथ स्थापित किए गए थे। समापन सत्र में विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।